

GURU NANAK COLLEGE

CULTURAL EXCHANGE PROGRAM

2023

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद द्वारा कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब के प्रतिष्ठित पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ एवं गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफलतापूर्वक शानदार प्रस्तुतीकरण के लिए कॉलेज कल्चरल टीम के सदस्यों का स्वागत एवं बधाई समारोह

दिनांक : 3 अक्टूबर 2023

स्थान : एस जे एस ब्रेवाल ऑडिटोरियम, कॉलेज कैम्पस, भूदा ।

समय : अपराह्न 12:30 बजे ।

विदित हो कि गुरु नानक कॉलेज, धनबाद शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार रजिंदर सिंह चहल की पहल एवं नतीजतन प्रयास के कारण ही कॉलेज कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत पंजाब में तीन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में जाकर झारखंडी नृत्य एवं गीतों के साथ-साथ पंजाबी नृत्य एवं गीतों से सुसज्जित कार्यक्रम की शानदार एवं ऐतिहासिक प्रस्तुति देने में सफल हुई । प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने माननीय अध्यक्ष का अनुकरण करते हुए कल्चरल टीम की तैयारी के लिए डॉ मीना मालखंडी के नेतृत्व में चयनित विद्यार्थियों की टीम निरंतर दो महीने की रियाज कर इस कार्यक्रम की योजना को साकार कर दिया । कॉलेज शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आर० एस० चहल० के नेतृत्व में कॉलेज से 30 लोगों की कल्चरल टीम डॉ मीना मालखंडी एवं प्रो० दलजीत सिंह के कुशल निर्देशन में 13 सितम्बर से 20 सितम्बर तक पंजाब के तीन विश्वविद्यालयों में नृत्य एवं संगीत का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज की गरिमा बढ़ाई । पूरे कार्यक्रम के दौरान सुश्री निष्ठा सूद ने मंच संचालन किया ।

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद की कल्चरल टीम का पहला कार्यक्रम पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में 14 -9- 2023 को हुआ। उक्त टीम पटियाला में 17 -9 -2023 तक रही। अपने दूसरे निर्धारित कार्यक्रम के लिए गुरु नानक कॉलेज, धनबाद की कल्चरल टीम पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ पहुंची । उक्त टीम ने यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम में 18 -9- 2023 को झारखण्ड एवं पंजाब के संस्कृति आधारित नृत्य एवं संगीत से सजी कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद की कल्चरल टीम की तीसरी प्रस्तुति के लिए गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर में 19-10-2023 निर्धारित थीं । कॉलेज की कल्चरल टीम ने इस

यूनिवर्सिटी के दशमेश ऑडिटोरियम में टीम ने झारखंडी नृत्य एवं गीतों के साथ-साथ पंजाबी नृत्य एवं गीतों से सुसज्जित कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

उक्त तीनों विश्वविद्यालयों में गुरु नानक कॉलेज, धनबाद की कल्चरल टीम की छात्रों एवं छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतिकारण को न सिर्फ ऑडिटोरियम में उपस्थित छात्रों ने बल्कि शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मियों ने भी खूब सराहा। पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के डीएसडब्ल्यू प्रो० थापा ने गुरु नानक कॉलेज के छात्रों एवं छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम हमारे देश की अखंडता को बरकरार रखने के लिए अति आवश्यक हैं।

पंजाब यूनिवर्सिटी की माननीय कुलपति प्रो० रेनू विज के साथ-साथ तमाम बड़े पदों पर सुशोभित अधिकारीयों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताया। प्रो० रेनू विज ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए गुरु नानक कॉलेज, धनबाद, झारखंड के प्राचार्य डॉ० संजय प्रसाद, शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आर एस चहल एवं सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ब्रेवाल की खूब प्रशंसा की। पंजाब यूनिवर्सिटी के डीएसडब्ल्यू ने इस कार्यक्रम से प्रेरणा लेते हुए कहा कि उनकी टीम भी आने वाले समय में कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम के लिए दूसरे प्रदेशों में अवश्य जाएगी।

उक्त कार्यक्रमों को सम्बोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ० संजय प्रसाद ने तीनों विश्वविद्यालयों का धन्यवाद देते हुए अपने कॉलेज में आने का निमंत्रण दिया। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता के लिए इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आदान-प्रदान अनिवार्य है। कॉलेज शासी निकाय के सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ब्रेवाल ने उक्त तीनों यूनिवर्सिटी ने कार्यक्रम आयोजन में सहयोग करने के लिए सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद दिया। कॉलेज शासी निकाय अध्यक्ष सरदार आर एस चहल द्वारा यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों का धन्यवाद देते हुए उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक विविधता कार्यक्रम में भाग लेने गए गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के छात्रों की मनमोहक प्रस्तुति के पश्चात् पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ एवं गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी द्वारा कल्चरल टीम के सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सुचारु रूप देने के लिए सुखनीत चहल ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के द्वारा इस कार्यक्रम के लिए चयनित कल्चरल टीम को स्टूडेंट एनरिचमेंट प्रोग्राम के तहत पटियाला, चंडीगढ़ एवं अमृतसर के प्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण का मौका मिला जिससे कि विद्यार्थीगण सजीव एवं प्रत्यक्ष ज्ञान से लाभान्वित हों।







Y THROUGH
IC & DANCE
(from onwards)
U, Amritsar













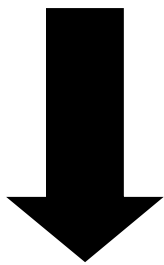








News Paper clips





झारखंड का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक



अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

धनबाद । रांची । पटना । जमशेदपुर । देहरादून । कोलकाता । गुवाहाटी । अंगारपुर से प्रसारित

धनबाद, बुधवार

04.10.2023

आविर्भाव क्रमांक 05 सितंबर 2023

पृष्ठ : 14, भाग : 5

खबर संख्या

मूल्य : 25, 500 - 211

संपादक : अमरेंद्र 22065/193

prabhatkhabar.com

देश-विदेश : 11

कालेज : 14



Prabhat Khabar

Wed-Oct 04-2023

कल्चरल टूर से लौटी जीएन कॉलेज की टीम, स्वागत



धनबाद. गुरु नानक कॉलेज की कल्चरल टीम के धनबाद लौटने पर कॉलेज में स्वागत किया गया . प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने बताया कि कॉलेज के शासी निकाय के अध्यक्ष डॉ आरएस चहल की पहल पर डॉ मीना मालखंडी के नेतृत्व में टीम ने पंजाब के तीन विश्वविद्यालयों में नृत्य एवं संगीत का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज की गरिमा बढ़ायी है . मौके पर शासी निकाय के सभी पदाधिकारी, शिक्षक व शिक्षकेतर ने टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी .



DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Prof. Namita Gupta
Director
Email ID: dpr@pu.ac.in

Dated: 20.9.2023

JAG MARG

पीयू में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने बांधा समा

चंडीगढ़ (जगमार्ग न्यूज)। पंजाब यूनिवर्सिटी ने एक सांस्कृतिक विविधता कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां झारखंड के आदिवासी छात्रों ने संगीत और नृत्य कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में गुरु नानक कॉलेज धनबाद झारखंड के छात्रों ने पंजाबी संस्कृति के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी अध्यक्षता पीयू की वाइस चांसलर प्रोफेसर रेनू विग ने की। कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू और युवा कल्याण विभाग पीयू के तत्वावधान में आयोजित किया गया।



DEPARTMENT OF PUBLIC RELATIONS
PANJAB UNIVERSITY, CHANDIGARH
NEWS-CLIPPINGS

Prof. Namita Gupta
Director
Email ID: dpr@pu.ac.in

Dated: 20.9.2023

PUNJAB KESARI

WED, 20 SEPTEMBER 2023
EDITION: CHANDIGARH KESARI, PAGE NO. 3



कार्यक्रम में गुरु नानक कॉलेज धनबाद झारखंड के छात्रों ने संस्कृति के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया।

(परमखौर)

छात्रों ने पंजाबी संस्कृति के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति की झलक दिखाई

चंडीगढ़, भविष्य (विमि हंस) : पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) में सांस्कृतिक विविधता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड के आदिवासी छात्रों ने संगीत और नृत्य कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में गुरु नानक कॉलेज धनबाद झारखंड के छात्रों ने पंजाबी संस्कृति के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति का शानदार प्रदर्शन किया। इसकी अध्यक्षता पीयू की वाइस चांसलर प्रोफेसर रेनू विग ने की। कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू और युवा कल्याण विभाग पीयू के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रो. विग ने राष्ट्रीय एकता में ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रकाश डालने और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की महत्ता को स्पष्ट किया।

HINDUSTAN TIMES

PU organises cultural diversity event

Chandigarh : Panjab University organised a cultural diversity event where tribal students from Jharkhand participated in music and dance programmes. The event also saw students from Guru Nanak College, Dhanbad in Jharkand, presented tribal folk songs and dances. The event was presided over by PU vice-chancellor Renu Vig. HTC

ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ
(ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

ਮਿਤੀ 31/9/23 ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ (ਕੈਪਿਟਲ ਬ੍ਰਾਜ਼ਰਜ਼) ਭਾਸ਼ਾ

ਐਡੀਸ਼ਨ

ਪੰਨਾ ਨੰ.

ਕਾਲਮ ਨੰ.

जीएनडीयू में झारखंड के विद्यार्थियों ने अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक पेश की
प्रोग्राम में विद्यार्थी कलाकारों की टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया

- जीएनडीयू में सभाचार आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन
- युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने भी गिद्दा पेशाकर जीत लिया दित

प्राप्त, अप्रभार-सम्पाद्य के आनन्द-प्रद के हेतु बुद्धर के गुरु नानक देव वृत्तिवर्धन में कार्यक्रम पेश किया गया। इसमें गुरु नानक देव कलेज धनबाद झारखंड से आदिवासीयों ने अपने क्षेत्र की संस्कृति और सांस्कृतिक कलाओं को प्रस्तुत किया। डीन स्टूडेंट केलेजियस डा. प्रो. मोहित सिंह ने देव विधि तौर पर पद्य और कला कि भारत की सुंदरता और महानत देश की विविधता में निहित है, जिसे हर बौद्ध पर संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने विभिन्न समाजों की संस्कृतियों को एक-दूसरे के करीब लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज के सांस्कृतिक आन्दोलन-प्रद कार्यक्रम से छात्रों को झारखंड की संस्कृति और इतिहास के बारे में जानने का मौक़ा मिलेगा। ऐसे कार्यक्रम एक-दूसरे की संस्कृति को गंभीरता से समझने का अवसर बनते हैं। यहाँ गुरु नानक देव कलेज धनबाद कलेज आइस रजिस्टर प्रिंसिपल, सचिव शोषक रेखात, प्राध्यापक डा. संजय प्रसाद व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

- जीएनडीयू में सभ्याचार आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन

- यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने भी गिरा पेशाकर जीव लिया दिला



जीएनडीय में कार्यक्रम में प्रस्तुति देते इमारखंड के विद्यार्थी • सौ जीएनडीय

इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि जहाँ इतराई के आध्यात्मिक छात्रों ने अपने क्षेत्र की संस्कृति और इलाकों की विभिन्न संगीत और नृत्य कलाओं के माध्यम से प्रत्युत कर्जों का मनोरंजन किया। वहीं पंजाबी लोक नृत्य गिट्टा, समीच व जगो का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने इतराई क्षेत्र के साधु-समर्थ पंजाब की परंपरिक वेशभूषा में भी अपनी संगीत विभक्तता प्रस्तुत कर एक अच्छा अनुभव बनाए रखा। इस दौरान विद्यार्थी कलाओं की टीम को दायीं केर सम्मानित किया गया। हर नृत्य के बाद कांजल के प्रबंधक, डा. सुनंद प्रबोध ने अपने नमक देव विशालदयाल शर्मा द्वारा सहायक की सहायता की। धृतिवर्द्धन के संगीत विभाग के कलाकार छात्रों ने भी विभिन्न गीतों पर प्रस्तुति दी। वहीं जेलकपड़ी के बीसी डा. जसपाल सिंह साँस मीठाने रहे।

प्रस्तुत कर एक अच्छा संतुलन बनाए रखा। इस दौरान विद्यार्थी कलाकारों की टीम को दीर्घा देकर सम्मानित किया गया। गुरु नानक देव कालेज के प्रबंधक डा. संजय प्रसाद ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय धुआँ सिंह साखेयों की सहायता की। युनिवर्सिटी के संगीत विभाग के कलाकार छात्रों ने भी विभिन्न गीतों पर प्रस्तुति दी। यहाँ जीएसएम के वीसी डा. जसपाल सिंह संधू मौजूद रहे।

जीएनडीयू में लेखक डा. संजीव चोपड़ा हुए छात्रों से रूबरू

जास, अमृतसर: गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के संतरीये कवन ने प्रसिद्ध लेखक डा. लज्जत चौधड़ा के साथ एक विशेष मुलाकत और अभिवादन कार्यक्रम करवाया। यह अभिवादन डा. चौधड़ा की हाल ही में प्रकाशित पुस्तक " वी द पीपल आफ द स्टेट्स आफ इंडिया " पर केंद्रित थी। छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को देश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर डा. चौधड़ा के विचार जानने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रमुख डा. यवी गिल ने लेखक डा.



जीएनडीयू में आयोजित विशेष मुलाकात के दौरान फैकल्टी - हौ. वृजिजिंदी

चोपड़ा का स्वागत किया और डा. सुमनीत कौर ने विद्यार्थियों को उनके जीवन के बारे में जानकारी दी। डा. चोपड़ा ने भारत के मान्यताओं के इतिहास के बारे में रोचक जानकारी प्रदान की। बीसी डा. जसपाल सिंह सेंधू और सहायक प्रोफेसर डा. उज्ज्वल जीत मौजूद रहे।

इतिहास के बारे में रोचक जानकारी प्रदान की। वीसी डा. जसपाल सिंह सेधू और सहायक प्रोफेसर डा. उज्ज्वल जीत मौजूद रहे।

ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ (ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

ਮਿਤੀ 21/9/23 ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ 20 ਜਤੀ

ਭਾਸ਼ਾ

ਐਡੀਸ਼ਨ

ਪੰਨਾ ਨੰ.

ਕਾਲਮ ਨੰ.

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਖੇ ਸੋਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਸਮਾਗਮ ਕਰਵਾਇਆ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, 20 ਸਤੰਬਰ (ਸੰਵਿਦਾਨ ਸਿੰਘ ਵਰਧਾਣਾ)-ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਭੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਨੇ

ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਦੀ ਦੂਰ-ਅੰਦੇਜ਼ੀ ਸਦਕਾ ਸੋਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਮਕਸਦ ਨਾਲ ਕਰਵਾਏ ਸਮਾਗਮ ਦੌਰਾਨ ਡਾ. ਬੇਦੀ ਨੇ 'ਵਰਸਿਟੀ' ਤੇ ਗੁਰੂ

ਨੇ ਵਿੱਚ ਅਪਣੇ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦੇ ਸੋਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਵਿਰਾਸਤ ਨੂੰ ਬੰਨ੍ਹ-ਬੰਨ੍ਹ ਸੀਲੀਤ 'ਤੇ ਨਾਚ-ਦੀਆਂ ਧੜਾ ਕੰਨਗੀਆਂ ਨੂੰ ਸਕਲਾਸ ਪੁਰਖ ਪਿਛ ਥਰਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਭਰਮੂਰ



ਭਾਰਤ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਟਰਾਈ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਭੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਤੇ ਭਾਇਕੇਟਰ ਚੁਫਕ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਅਮਨਦੀਪ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਹੋਰ।

ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਪ੍ਰਸਿੱਧਤਾ ਤੇ ਮਹਾਨਤਾ ਦੇਖ ਕੇ 'ਵਰਸਿਟੀ' ਵਿਖੇ ਸਮਾਗਮ ਹੋਵੇ, ਜਿਸਨੂੰ ਹਰ ਸ਼ਿਸ਼ੂ ਵਿਖੇ ਭਰਮੂਰ ਰੀਝਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤੀ ਡਾ. ਜਸਪਾਲ

ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਕਾਲਜ ਦੌਰਾਨ ਭਾਰਤ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਨੇ 'ਵਰਸਿਟੀ' ਦੇ ਪ੍ਰਸਿੱਧਤਾ ਦੇ ਪ੍ਰਸਾਰ ਲਈ ਸੋਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਭਾਰਤ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ

ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਨੂੰ ਸਿੱਧਾ 'ਤੇ ਲੈ ਆਏ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਸੰਗੀਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਲਾਕਾਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਅਪਣੀ ਬੰਨ੍ਹ-ਬੰਨ੍ਹ ਗੀਤਾਂ ਨਾਲ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਗਵਾਈ।

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ 'ਵਰਸਿਟੀ' ਨਾਨ ਟੀਚਿੰਗ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੀ ਜਨਰਲ ਬਾਡੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ, 20 ਸਤੰਬਰ (ਸੰਵਿਦਾਨ ਸਿੰਘ ਵਰਧਾਣਾ)-ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨਾਨ ਟੀਚਿੰਗ ਇੰਪਲਾਈਜ਼ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ



ਜਨਰਲ ਬਾਡੀ ਮੀਟਿੰਗ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਹਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਨਾਗਰ ਨਾਲ ਸਕੱਤਰ ਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰਭਾਟ ਸਿੰਘ ਤੇ ਹੋਰ।

ਹਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਨਾਗਰ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਤੇ ਸਕੱਤਰ ਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਹੇਠ ਜਨਰਲ ਬਾਡੀ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਹੋਈ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ 19 ਅਕਤੂਬਰ ਨੂੰ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੀ ਹੋਰ ਬਾਡੀ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਵੇ, ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਧੰਮਾ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਨਾਨ ਟੀਚਿੰਗ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਤੇ ਕਲਾਕਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਲਿਖਤੀ

ਵਿਸ਼ਾਇਤ ਦਾ ਮੁੱਦਾ ਭਾਰੀ ਰਿਹਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਹਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਨਾਗਰ ਨੇ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਣ ਵਾਲੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਕਲਾਕਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਲੋੜਾਂ 95 ਹਜ਼ਾਰੀ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਵਲੋਂ ਕਰਵਾਈਆਂ ਜਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹਨ ਜਦੋਂ ਕਿ ਹਰਦੀਪ ਸਿੰਘ ਨਾਗਰ ਦੀ ਨਿਗਰਾਨੀ ਅਧੀਨ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਗੁਰੂ ਜਗਦੇਵ ਦੇ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਨਾਗਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨਾਲ ਮਾਧੇ ਵਰਤੋਂ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਸੀ. ਐਨ. ਡੀ. ਯੂ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਦੇ ਕੋਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾਗ੍ਰੂਕਤਾ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦਾ ਗੈਰ ਅਧਿਕਾਰਤ ਭਰਮੂਰ ਰੀਝਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਭਰਮੂਰ ਰੀਝਾ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸਕੱਤਰ ਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਤੇ ਅਧਿਕਾਰਤ ਐਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਸਕੱਤਰ ਮਨਦੀਪ ਸਿੰਘ ਨੇ ਸਮੁੱਚੇ ਗੈਰ ਅਧਿਕਾਰਤ ਕਲਾਕਾਰੀਆਂ ਤੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੀਆਂ ਮੌਜੂਦਾ ਸੰਜੋੜਾਂ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦੇ ਨਾਲ ਰੱਖ ਕੇ ਨਾਨ ਟੀਚਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਵਿੱਚ ਮੌਕੇ ਸ਼ਾਮਲ ਸਿੰਘ ਕਰਚਾ, ਪ੍ਰਭਾਟ ਸਿੰਘ, ਸਤਨਾਮ ਸਿੰਘ, ਅਵਤਾਰ ਸਿੰਘ, ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ, ਰਘੁਪਾਲ ਸਿੰਘ, ਨਰਿੰਦਰ ਬਰਦਾਜ, ਮਹਿੰਦਰ ਬੁਧਾ, ਬੀਮਾ ਰਾਮ ਅਤੇ ਮਨਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਆਦਿ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।

ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ (ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

ਮਿਤੀ 20/9/23 ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ 20 ਜਤੀ

ਭਾਸ਼ਾ

ਐਡੀਸ਼ਨ

ਪੰਨਾ ਨੰ.

ਕਾਲਮ ਨੰ.

ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਸਟੂਡੈਂਟਸ ਨੇ ਭੋਜਪੁਰੀ ਲੋਕ ਨਾਚ ਸੇ ਜੀਤਾ ਦਿਲ



ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਦਸਵੇਂ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨਾਚ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕਿਤਾਬ ਗਏ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਕਾਲਜ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਸ਼ਾਲਾਹੀ ਦੇ ਆਯੋਜਨ ਕਮੇਟੀ ਨੇ ਦਸਵੇਂ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਦੇ ਆਯੋਜਨ ਲੋਕ ਨਾਚ ਦੇ

ਸੰਗੀਤ, ਭੋਜਪੁਰੀ ਲੋਕ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨਾਚ ਦੇ ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨਾਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ। ਭੀਨ ਸਟੂਡੈਂਟ ਕੋਲਮੇਰ ਡੀ. ਪੀ. ਸਿੰਘ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸਕੂਲੀਆਂ ਦੀ ਹਰ ਚਾਲ ਨੂੰ ਸਮਝਣਾ ਰਚਨਾ, ਰਚਨਾ ਹੈ। ਅਸਲ-ਅਸਲ ਸਮਾਜ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਦੇ ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਲਾਭ ਦੇ ਲਿਖ ਕੇ ਜਾ ਰੇ

ਪ੍ਰਧਾਨਾਂ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਕਰਨੇ ਹੁਣ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਹਾ ਕਿ ਭੋਜਪੁਰੀ ਦੇ ਭੀਨ ਦੇ ਵਿਸ਼ਾ ਨਿਰੋਸ਼ਾ ਪਰ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਅਦਾਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀ ਆਗੇ ਭਫ਼ਨੇ ਦੇ ਸੁਕਸ਼ਮ ਦੇ ਸਾਥ ਹੀ ਆਗੇ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਭਾਗਾਂ ਤੇ 'ਭੋਜਪੁਰੀ' ਦੇ ਉਨਿਵਰਸਿਟੀ ਦਸਵੇਂ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਦੇ ਅਪਣੇ ਭੋਜ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਕਲਾਤਮੀ ਕੀ ਪੇਸ਼ ਕਰਨੇ

ਕਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਗਏ। ਹੋਰ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਦੇ ਦਸਵੇਂ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਸਮਝਨੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਕੀ ਭਫ਼ਨੇ ਹੈ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਹਾ ਕਿ ਭੋਜਪੁਰੀ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਸਮਝਨੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਕੀ ਭਫ਼ਨੇ ਹੈ। ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਹਾ ਕਿ ਭੋਜਪੁਰੀ ਦੇ ਸਾਥੀਆਂ ਦੇ ਸਮਝਨੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਕੀ ਭਫ਼ਨੇ ਹੈ।

ਨੌਨ ਟੀਚਿੰਗ ਏਸੋ. ਨੇ ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਝੰਗਾਰੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸੋਧੀ ਲਿਖਿਤ ਸਿਫਾਯਤਾਂ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਬੋਲੀ... ਝਨਕੀ ਚੁਰੰਟ ਬਦਲਾ ਜਾਏ



ਮੀਟਿੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਮੀਤਰ ਨੌਨ-ਟੀਚਿੰਗ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨਕਾਰੀ।

ਮਾਸਟਰ ਨਾਮ। ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੌਨ ਟੀਚਿੰਗ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੀ ਮੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਮੀਤਰ ਨੌਨ-ਟੀਚਿੰਗ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨਕਾਰੀ ਨੇ ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਝੰਗਾਰੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸੋਧੀ ਲਿਖਿਤ ਸਿਫਾਯਤਾਂ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਬੋਲੀ... ਝਨਕੀ ਚੁਰੰਟ ਬਦਲਾ ਜਾਏ। ਮੀਟਿੰਗ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਮੀਤਰ ਨੌਨ-ਟੀਚਿੰਗ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨਕਾਰੀ ਨੇ ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਝੰਗਾਰੇ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸੋਧੀ ਲਿਖਿਤ ਸਿਫਾਯਤਾਂ ਏਸੋਸੀਏਸ਼ਨ ਬੋਲੀ... ਝਨਕੀ ਚੁਰੰਟ ਬਦਲਾ ਜਾਏ।

ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ (ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

ਮਿਤੀ 21/9/23 ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਸ਼ਬਦ ਭਾਸ਼ਾ ਐਡੀਸ਼ਨ ਪੰਨਾ ਨੰ. ਕਾਲਮ ਨੰ.

ਸਮਾਗਮ

ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਕਲਾਵਾਂ ਰਾਹੀਂ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਕੋਲੋਂ

ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਵੰਨਗੀਆਂ ਨੇ ਮੋਹਿਆ ਮਨ

ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ, ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ : ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਡੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤ ਮੋਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਖੂਬਸੂਰਤੀ ਅਤੇ ਮਹਾਨਤਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਵੰਨ-ਚੁਵੰਨਤਾ ਵਿੱਚ ਸਮਾਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਹਰ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਬਰਕਰਾਰ ਰੱਖਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਮਾਜਾਂ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਦੇ ਨੇੜੇ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਉਪਰਾਲਿਆਂ ਦਾ ਸ਼ਿਕਰ ਕਰਦਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤੀ ਡਾ. ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਦੀ ਦੂਰ-ਅੰਦੇਸ਼ੀ ਸਦਕਾ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਮਕਸਦ ਨਾਲ ਹੀ ਅੱਜ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸਕ ਦਸਮੇਸ਼ ਆਡੀਟੋਰੀਅਮ ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਖਿੱਤੇ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਕਲਾਤਮਿਕ ਵੰਨਗੀਆਂ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਮੌਕਾ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਅੱਜ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ ਪ੍ਰਦਾਨ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਹੋਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇਗਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਨੂੰ ਗੰਭੀਰਤਾ ਨਾਲ ਸਮਝਣ ਅਤੇ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਦੇ ਨੇੜੇ ਆ ਕੇ ਪਿਆਰ-ਮੁਹੱਬਤ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਸਬੰਧ ਬਣਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਅੱਜ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ



ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਟਰਾਂਸ਼ੀ ਦੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਡੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤਮੋਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਯੁਵਕ ਭਲਾਈ ਡਾ. ਅਮਨਦੀਪ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਹੋਰ।

ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਕਾਲਜ ਪੰਨਬਾਦ ਝਾਰਖੰਡ ਵੱਲੋਂ ਸਾਝੇ ਤੌਰ ਕਰਵਾਏ ਵੰਨਚੁਵੰਨੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰ ਰਹੇ ਸਨ। ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀਅਤ ਇਹ ਸੀ ਕਿ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਜਿੱਥੇ ਆਪਣੇ ਖਿੱਤੇ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨਾਚ ਦੀਆਂ ਕਲਾ ਵੰਨਗੀਆਂ ਨੂੰ ਸਫਲਤਾ

ਪੂਰਵਕ ਪੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਮਨੋਰੰਜਨ ਕੀਤਾ ਉਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਨਾਚ ਗਿੱਧਾ, ਸੰਮੀ, ਜਾਰੀ, ਲੋਕ ਗੀਤਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਗੀਤਾਂ ਰਾ ਕੇ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲ ਜਿੱਤ ਲਏ। ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਖਿੱਤੇ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਪਹਿਰਾਵੇ ਵਿੱਚ ਵੀ ਆਪਣੀਆਂ ਸੰਗੀਤਕ ਵੰਨਗੀਆਂ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਬਹੁਤ ਵਧੀਆ ਸੰਤੁਲਨ ਬਣਾ ਕੇ ਰੱਖਿਆ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਜਿਸ ਵਿੱਚ

ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਕਾਲਜ ਪੰਨਬਾਦ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਲਜ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤੀ ਦੀ ਰਹੱਸ ਇੱਥੇ ਪੁੱਜਣ 'ਤੇ ਨਿੱਘਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਇਹ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦਗਾਰੀ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦੇ ਕੇ ਸਨਮਾਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕਲਾਕਾਰਾਂ ਦੀ ਟੀਮ ਨੂੰ ਵੀ ਟਰਾਂਸ਼ੀ ਦੇ ਕੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ (ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

ਮਿਤੀ 19/9/23 ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ The Tribune ਭਾਸ਼ਾ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਮਿਤੀ 19/9/23 ਕਾਲਮ ਨੰ.



Students during a cultural festival at GNDU. TRIBUNE PHOTO

CULTURAL EVENT AT GNDU

Amritsar: A cultural programme 'Cultural Diversity through Excellence in Music and Dance' was organised in Dasmesh Auditorium of the Guru Nanak Dev University. This colourful event was organised by university in association with Guru Nanak College, Dhanbad, Jharkhand. A large number of students, presented dances included tribal folk dance and music of Jharkhand, Bhojpuri folk music and dance and Punjabi folk music and dance. Prof Preet Mohinder Singh Bedi, Dean Student's Welfare presided over Dr D S Grewal, Secretary, Guru Nanak College, Dhanbad, introduced the theme of the event.

GNDU Literary Club hosts talk with author

TRIBUNE NEWS SERVICE

AMRITSAR, SEPTEMBER 20

The Literary Club of Guru Nanak Dev University hosted an interactive session with author Dr Sanjeev Chopra. The event was centered around Dr Chopra's recently published book, "We the People of the States of Bharat." The session provided students and faculty members with an opportunity to delve into the historical and cultural aspects of India through the lens of Dr Chopra's expertise.

Dr Sumneet Kaur, Assistant Professor, delivered an introductory note. She underscored the significance of his latest work in exploring the historical underpinnings of the term "Bharat" and its evolution through time. Dr Chopra, captivated the audience with his insights into the history of maps of India. He traced the evolution of India's boundaries and the emergence of the term "Bharat" as a prominent identifier. Chopra shared how the book began as a documentation of research into the geographical restructuring of India before and after Inde-

EVOLUTION OF BHARAT

Dr Sumneet Kaur, Assistant Professor, delivered an introductory note. She highlighted the significance of Dr Chopra's latest work in exploring the historical underpinnings of the term "Bharat" and its evolution through time.

pendence and turned into a narrative on the contemporary political and social restructuring as well. He shared elucidation on how "Bharat" gained prominence in 1911, during the British colonial era, added a new layer of understanding to the audience's perception of India's identity. His book will undoubtedly continue to inspire discussions and explorations into the diverse and complex tapestry of India's heritage.

Dr Ujjal Jeet, Assistant Professor, Department of English, delivered a formal vote of thanks, expressing gratitude to Chopra for sharing his knowledge and enriching the literary discourse at the university. He interacted with students and signed copies of his book.

Teacher's union raises objection over hike in fee

AMRITSAR, SEPTEMBER 20

The Democratic Teachers Front (DTF) Punjab has raised objections over the increase in practical fee, certificate fee and other dues for students by the Education Department ahead of term examinations and for registration of the boards.

Vikramdev Singh, state president, DTF, who held a meeting with teachers and union members from Amritsar and

Tarn Taran on Tuesday, said, "The Punjab School Education Board is robbing poor students and parents in the name of such expenses. The practical examination, certificate fee and fines have been raised significantly by the board. The fee for getting a hard copy of certificate for Class V, VIII, X, and XII, has been raised from Rs 200 to Rs 250. There has been continuous hike in examina-

tion fee and fines imposed on students."

"What is the purpose of providing free education as promised by the state when students pay high fee in the name of dues? Most students in government schools come from poor families. This is exploitation of students and flouting of the constitutional obligation to provide free education up to Class VIII," said Mukesh Kumar, state

general secretary, DTF.

The teacher's union would send protest letters to Chairman, PSEB, Education Minister and Chief Minister through officials and Deputy Commissioners and demand withdrawal of hike in fee.

"We would hold a rally against the fee hike on October 3 at the Punjab School Education Board headquarters in Mohali," said Mukesh. — TNS

लोक संपर्क विभाग (निधुन कटिंग)

मिडि 21/9/23 अखबार का नं. (दिनांक) बासा ओडीसन पृष्ठ नं. कालम नं.

झारखंड की संस्कृति और इतिहास के बारे में जानने का मौका मिलेगा : प्रो. बेदी

झारखंड के आदिवासी छात्र-छात्राओं ने लोक नृत्य के साथ पंजाबी लोक गीत गाकर समां बांधा



झारखंड के छात्रों को प्रौढी प्रदान करते हैं। छात्र छात्राओं को एक-दूसरे के करीब लाकर, 20 सितंबर : गुरु लाने के लिए लिए जा रहे प्रयासों का जो अपने क्षेत्र की संस्कृति और एक-दूसरे को गौरवित करने के लिए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में से स्वागत किया गया और स्मृति चिह्न

संस्कृतियों को एक-दूसरे के करीब लाकर, 20 सितंबर : गुरु लाने के लिए लिए जा रहे प्रयासों का जो अपने क्षेत्र की संस्कृति और एक-दूसरे को गौरवित करने के लिए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में से स्वागत किया गया और स्मृति चिह्न

ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਵਿਭਾਗ

(ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

ਮਿਤੀ 19/9/23 ਅਖਬਾਰ ਦਾ ਨਾਂ ਪੰਜਾਬ ਟੋਲੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਪੰਨਾ ਨੰ. ਕਾਲਮ ਨੰ.

ਆਦਿਵਾਸੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਝਾਰਖੰਡ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ, ਜਾਗੋ, ਸਮ੍ਮੀ ਵ ਪੰਜਾਬੀ ਗੀਤ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕਰ ਸਮਾਂ ਬਾਂਧਾ

ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ, 20 ਸਿਤੰਬਰ (ਸ.ਹ.): ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਡੀਨ ਸਟੂਡੈਂਟ ਵੈਲਫੇਅਰ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤ ਮੋਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਸੁੰਦਰਤਾ ਅਤੇ ਮਹਾਨਤਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਵਿਵਿਧਤਾ ਤੋਂ ਨਿਹਿਤ ਹੈ, ਜਿਸੇ ਹਰ ਕੀਮਤ ਪ੍ਰਸੰਸ਼ਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਭਿੰਨ ਸਮਾਜਾਂ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਸ ਵਿੱਚ ਜੋੜਨ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲੇ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤਿ ਡਾ. ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ ਸੰਘ ਦੀ ਦੂਰਦਰਸ਼ਿਤਾ, ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਨੂੰ ਆਗੇ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਆਈਟੀਆਰੀਐਮ ਮੇਂ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਖੇਤ੍ਰ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ ਅਤੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਕਲਾਵਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕਰਨ ਦਾ ਅਵਸਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਅੱਜ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਨੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਨੂੰ ਝਾਰਖੰਡ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਦੇ ਬਾਰੇ ਮੇਂ ਜਾਨਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲੇਗਾ। ਏਸੇ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਏਕ-ਦੂਸਰੇ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ ਨੂੰ ਗੰਧੀਰਤਾ ਨਾਲ ਸਮਝਣੇ ਅਤੇ ਏਕ-ਦੂਸਰੇ ਦੇ ਕਾਰੀਬ ਆਨੇ ਅਤੇ ਪਿਆਰ ਵਧਾਨੇ ਦਾ ਅਵਸਰ ਬਨਣੇ ਹੈ। ਏ ਆਜ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲੇ ਏਵੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਕਾਲੇਜ ਧਨਬਾਦ ਝਾਰਖੰਡ ਦੁਆਰਾ ਸੰਯੁਕਤ ਰੂਪ ਨਾਲ ਆਯੋਜਿਤ ਵਿਵਿਧ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿਯੋਂ ਦੇ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਮੇਂ ਮੁਢਲੀਥੀਥੀ ਦੇ ਰੂਪ ਮੇਂ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਦੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਰ ਰਹੇ ਏ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਕਾਲੇਜ ਅਧ੍ਯਾਪਕ ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਚਾਹਲ, ਸਚਿਵ ਡੀ.ਏਸ. ਬ੍ਰੇਵਾਲ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਸੰਜਯ ਪ੍ਰਸਾਦ, ਸਟਾਫ਼ ਸਦਸਯ ਅਤੇ ਅਧਿਕਾਰੀ ਉਪਸਥਿਤ ਏ।

ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਖਾਸ ਬਾਤ ਯਹ ਰਹੀ ਕਿ ਜਹਾਂ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਖੇਤ੍ਰ ਦੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਨੂੰ ਵਿਭਿੰਨ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨ੍ਰਿਤ ਕਲਾਵਾਂ ਦੇ ਮਾਧ੍ਯਮ ਨਾਲ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕਰ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਦੀ ਮਨੋਰੰਜਨ ਕੀਤਾ। ਵਹੀਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬੀ ਲੋਕ ਨ੍ਰਿਤ ਗਿੱਧਾ, ਸਮ੍ਮੀ, ਜਾਗੋ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰ ਸਮੀ ਦਾ ਦਿਲ ਜੀਤ ਲਿਆ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਸਾਥ-ਸਾਥ ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਪਾਰੰਪਰਿਕ ਵੇਸ਼ਭੂਸ਼ਾ ਮੇਂ ਆਪਣੀ ਸੰਗੀਤ ਵਿਵਿਧਤਾ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕਰ, ਏਕ ਅਚਲਾ ਸੰਤੁਲਨ ਬਨਾਏ ਰਖਾ। ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਦੀ ਅਤੇ ਆ ਖੁਬਸੂਰਤ ਬਾਤ ਯਹ ਥੀ ਕਿ ਸਮੀ ਛਾਤ੍ਰ ਕਲਾਕਾਰ ਵ ਯਹਾਂ ਤਕ ਕਿ ਮੰਚ ਸਚਿਵ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਨੇ ਵਾਲੇ ਸੰਚਾਲਕ ਆਪੀ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਬਾਹਰ ਨਾਲ ਏ।

ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਵਿਵਿਧਤਾ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਦੇ ਆਯੋਜਨ ਮੇਂ ਭਾਗ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਸਮੀ ਛਾਤ੍ਰ ਕਲਾਕਾਰ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨ੍ਰਿਤ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਮੇਂ ਆਪਣੀ ਪ੍ਰਤਿਭਾ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ। ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਮੇਂ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਕਾਲੇਜ ਧਨਬਾਦ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਦੇ ਸਾਥ-ਸਾਥ ਕਾਲੇਜ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਤੇ ਸਟਾਫ਼ ਸਦਸਯਾਂ ਨੇ ਭਾਗ ਲਿਆ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲੇ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤਿ ਦੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ ਨੂੰ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਸਮ੍ਮਤਿ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦੇਕਰ ਸਮ੍ਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।



ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਨੂੰ ਟ੍ਰਾਂਸੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨੇ ਡੀਨ ਛਾਤ੍ਰ ਕਲ੍ਯਾਣ ਡਾ. ਪ੍ਰੀਤਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਅਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਯੁਵਾ ਕਲ੍ਯਾਣ ਡਾ. ਅਮ੍ਰਿਤਦੀਪ ਸਿੰਘ ਵ ਅਨ੍ਯ। (ਅਯੋਜਕ)



ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਛਾਤ੍ਰ ਕਲਾਕਾਰ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨ੍ਰਿਤ ਦੀ ਵਿਭਿੰਨ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰ ਰਹੇ। (ਅਯੋਜਕ)

ਛਾਤ੍ਰ ਕਲਾਕਾਰਾਂ ਦੀ ਏਕ ਟੀਮ ਨੂੰ ਆਪੀ ਟ੍ਰਾਂਸੀ ਦੇਕਰ ਸਮ੍ਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਕਾਲੇਜ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਡਾ. ਸੰਜਯ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨੇ ਆਪੀ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲੇ ਦੁਆਰਾ ਦਿੱਤਾ ਗਏ ਸਹਯੋਗ ਦੀ ਸ਼ਰਾਹਨਾ ਕੀਤੀ। ਵਹੀਂ ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਏਕਤਾ ਦੇ ਲਿਏ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਆਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮਾਂ ਦੇ ਮਹਤਵ ਦੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਦੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਸਮਯ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ

ਕਾਲੇਜ ਧਨਬਾਦ ਝਾਰਖੰਡ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਗਏ ਕਾਰਜਾਂ ਦੀ ਆਪੀ ਜਾਨਕਾਰੀ ਦੀ। ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਮੇਂ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਮੇਂ ਖਾਸਾ ਉਤਸ਼ਾਹ ਰਹਾ। ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਝਾਰਖੰਡ ਦੇ ਏਕ ਛਾਤ੍ਰ ਨੇ ਸ਼ਬਦ ਅਤੇ ਟਾਪੇ ਗਾਕਰ ਦੀ ਅਤੇ ਜਾਗੋ ਨੇ ਕਾਰਜਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਸ਼ੀਰਵ ਪਰ ਪਹੁੰਚਾਇਆ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲੇ ਦੇ ਸੰਗੀਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਲਾਕਾਰ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਵਿਭਿੰਨ ਗੀਤਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਸਤੁਤਿ ਦੀ।

(ਨਿਊਜ਼ ਕਟਿੰਗਜ਼)

आदिवासी विद्यार्थियों ने झारखंड की संस्कृति, जागो, सम्मी व पंजाबी गीत प्रस्तुत कर समां बांधा

कलेज भवनद्वारा खंड द्वारा किए गए
कार्यों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम
में दर्शकों में खामा उत्साह रहा।
कार्यक्रम की शुरुआत खारखंड के एक
छात्र ने शब्द और टप्पे गाकर की और
जगो ने कार्यक्रम को शोभन मन पटु बाजा।
गुरु गानक देव विन्धविद्यालय के संगीत
विभागा के कलाकार छात्रों ने भी अपने
विभिन्न गीतों से प्रस्तुति दी।

ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਜਾਗੋ ,ਸੰਮੀ ਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਰੀਤਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਭਾਰਖੰਡ ਸਭਿਆਚਾਰ ਵੰਨਗੀਆਂ ਪੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਮੋਹਿਆ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦਾ ਦਿਲ



ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਟਰਾਫੀ ਦੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਡੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਲਾਈ ਡਾ ਪ੍ਰੀਤਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਅਤੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਯੁਵਕ ਭਲਾਈ ਡਾ ਅਮਨਦੀਪ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਹੋਰ ।

ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ-ਰਾਣਾ ਵਡਾਲਾ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਡੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਭਲਾਈ ਡਾ ਪ੍ਰੀਤਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਖੂਬਸੂਰਤੀ ਅਤੇ ਮਹਾਨਤਾ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਵੰਨ-ਸੁਵੰਨਤਾ ਵਿੱਚ ਸਮਾਈ ਹੋਈ ਹੈ, ਜਿਸ ਨੂੰ ਹਰ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਬਰਕਰਾਰ ਰੱਖਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਮਾਜਾਂ ਦੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨੂੰ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਦੇ ਨੇੜੇ ਲਿਆਉਣ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਉਪਬਾਲਿਆ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕਰਦਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਅੱਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤੀ ਡਾ. ਜਸਪਾਲ ਸਿੰਘ ਸੰਧੂ ਦੀ ਦੂਰ-ਅੰਦੇਸ਼ੀ ਸਦਕਾ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਮਕਸਦ ਨਾਲ ਹੀ ਅੱਜ ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਇਤਿਹਾਸਕ ਦਸਮੇਸ਼ ਆਰੀਟੋਰੀਅਮ ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਖਿੱਤੇ ਦੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਇਤਿਹਾਸ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਨਾਚ ਦੀਆਂ ਕਲਾ ਵੰਨਗੀਆਂ ਨੂੰ ਸਫਲਤਾ ਪੂਰਵਕ ਪੇਸ਼ ਕਰਕੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਡਰਪੂਰ ਮਨੋਰੰਜਨ ਕੀਤਾ ਉੱਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਲੋਕ ਨਾਚ ਗਿੱਧਾ, ਸੰਮੀ, ਜਾਗੋ, ਲੋਕ ਗੀਤਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪ੍ਰਚਲਿਤ ਗੀਤ ਗਾ ਕੇ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੇ ਦਿਲ ਜਿੱਤ ਲਏ। ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਖਿੱਤੇ ਦੇ ਨਾਨਕ-ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪੰਜਾਬ ਦੇ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਪਹਿਰਾਵੇ ਵਿੱਚ ਵੀ ਆਪਣੀਆਂ ਸੰਗੀਤਕ ਵੰਨਗੀਆਂ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਿਆਂ ਬਹੁਤ ਵਧੀਆ ਸੰਕੁਲਨ ਬਣਾ ਕੇ ਰੱਖਿਆ। ਹੋਰ ਵੀ ਖੂਬਸੂਰਤੀ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਇਹ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕਲਾਕਾਰ ਇੱਥੇ ਤੱਕ ਸਟੇਜ ਸੈਕਟਰੀ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਅ ਰਹੀ ਸੰਚਾਲਕ ਵੀ ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਦੇ ਸਨ। ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਿਭਿੰਨਤਾ ਸਮਾਗਮ ਦੇ ਆਯੋਜਨ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕਲਾਕਾਰ ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਆਦਿਵਾਸੀ ਸਨ ਜਿੰਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੰਗੀਤ ਅਤੇ ਡਾਂਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਉੱਤਮ ਕਲਾ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਸਮਾਗਮ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਕਾਲਜ ਧਨਬਾਦ ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਕਾਲਜ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ। ਜਿੰਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਉਪ-ਕੁਲਪਤੀ ਦੀ ਤਰਫ਼ ਇੱਥੇ ਪੁਜਣ ਤੇ ਨਿੱਘਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਫਿਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਯਾਦਗਾਰੀ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦੇ ਕੇ ਸਨਮਾਨ ਵੀ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕਲਾਕਾਰਾਂ ਦੀ ਟੀਮ ਨੂੰ ਵੀ ਟਰਾਫੀ ਦੇ ਕੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਕਾਲਜ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਡਾ ਸੰਜੇ ਪ੍ਰਸਾਦ ਨੇ ਵੀ ਸੰਬੰਧਨ ਕਰਦਿਆਂ ਜਿੱਥੇ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵੱਲੋਂ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਸਹਿਯੋਗ ਦੀ ਤੱਜ ਕੇ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਉੱਥੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਡਾਸਟਰੀ ਏਕਤਾ ਲਈ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਅਦਾਨ-ਪ੍ਰਦਾਨ ਲਈ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਤੇ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਸ ਸਮੇਂ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਕਾਲਜ ਧਨਬਾਦ ਭਾਰਖੰਡ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਡਾਂਸ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ। ਦੋਰ ਸ਼ਾਮ ਤੱਕ ਚੱਲੇ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿੱਚ ਦਰਸ਼ਕਾਂ ਜਜ਼ਬਾ ਵੇਖਣ ਵਾਲਾ ਸੀ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਭਾਰਖੰਡ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ਬਦ ਗਾ ਕੇ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਟੋਪੇ ਅਤੇ ਜਾਗੋ ਨੇ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨੂੰ ਸਿਖਰਾਂ ਤੇ ਲੈ ਆਂਦਾ। ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਸੰਗੀਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਲਾਕਾਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਵੀ ਆਪਣੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਗੀਤਾਂ ਨਾਲ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਗਵਾਈ।

'Cultural Diversity Through Excellence in Music and Dance' organized at Guru Nanak Dev University



Amritsar-Rana Wadala

A cultural programme 'Cultural Diversity Through Excellence in Music and Dance' was organized in Dasmesh Auditorium of the Guru Nanak Dev University. This colourful event was organized by University in association with Guru Nanak College, Dhanbad, Jharkhand. A large number of students, presented colourful items included tribal folk dance & music of Jharkhand, Bhojpuri folk music and dance

and Punjabi folk music and dance on this occasion. Prof. Preet Mohinder Singh Bedi, Dean Student's Welfare presided over. Dr. Amandeep Singh, Incharge Youth Welfare welcomed the participants and guest. Dr. D. S. Grewal, Secretary, Guru Nanak College, Dhanbad introduced the theme of the event. Student-artists of the college presented Johar, Karma and Sarul dances, Panya ke Jahaj se, Kajari, Sohney

Deshan, Sammi, Chhalla, Multan, Mirza, Sat Pind, Tere Ni Karan, Sanu te aisa Mahi, Heer, Tappe and Jago on this occasion. Dr. Sanjay Prashad from the college was also present. Prof. Bedi said the beauty of India is unity in diversity. He said that this type of events needed to be organized frequently to strengthen the unity of the nation. He also honored the guests and students with memento on behalf of the University.



GNDU Literary Club hosted interactive session with an author Dr. Sanjeev Chopra

Amritsar-Rana Wadala

The Literary Club of Guru Nanak Dev University hosted an engaging and enlightening interactive session with acclaimed author Dr. Sanjeev Chopra. The event was centered around Dr. Chopra's recently published book, "We the People of the States of Bharat." The session provided students and faculty members with a unique opportunity to delve into the historical and cultural aspects of India through the lens of Dr. Chopra's expertise. The session commenced on a warm note with floral greetings offered to the esteemed author by Dr. Yubee Gill, Head of the Department of English of the University. Dr. Sumneet Kaur, Assistant Professor delivered an eloquent introductory note, shedding light on Dr. Sanjeev Chopra's illustrious career as an author and scholar. She underscored the significance of his latest work in exploring the historical underpinnings of the term "Bharat" and its evolution

through time. Dr. Chopra, an erudite and engaging speaker, captivated the audience with his insights into the history of maps of India. He traced the evolution of India's boundaries and the emergence of the term "Bharat" as a prominent identifier. Dr. Chopra's elucidation on how "Bharat" gained prominence in 1911, during the British colonial era, added a new layer of understanding to the audience's perception of India's identity. The session was made interactive as Dr. Sanjeev Chopra encouraged questions and discussions from the audience. Attendees seized this opportunity to engage with the author on various aspects of his research, seeking clarification and further insights. Dr. Chopra's responses were both informative and thought-provoking, contributing to a vibrant exchange of ideas. As the session drew to a close, Dr. Ujjal Jeet, Assistant Professor in the Department of English,

delivered a formal vote of thanks, expressing gratitude to Dr. Chopra for sharing his knowledge and enriching the literary discourse at the university. She also extended heartfelt gratitude to Prof. (Dr.) Jaspal Singh Sandhu, Vice Chancellor for his invaluable support and patronage, which has made these literary events at Guru Nanak Dev University possible. The interactive session with Dr. Sanjeev Chopra was a resounding success, offering attendees a deep dive into the historical and cultural dimensions of India through his scholarly work. It was an intellectually stimulating and enriching experience for all those present, and the Literary Club at Guru Nanak Dev University looks forward to hosting more such engaging sessions in the future. Dr. Chopra's book will undoubtedly continue to inspire discussions and explorations into the diverse and complex tapestry of India's heritage.



धनबाद 13-09-2023

पंजाब के विश्वविद्यालयों में झारखंडी संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने को रवाना हुई टीम

गुरुनानक कॉलेज के 30 विद्यार्थी लोक गीत, नृत्य, नाट्य मंचन आदि करेंगे प्रस्तुत

धनबाद | गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार आरएस चहल और सचिव सरदार दिलजोत सिंह ग्रेवाल की अध्यक्षता में कॉलेज से 30 विद्यार्थियों की टीम पंजाब में झारखंड और पंजाब की संस्कृतियों की संयुक्त झलक लोक गीत, नृत्य, नाट्य मंचन आदि के माध्यम से प्रदर्शित करेंगी। पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर की ओर से कलचल एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत कॉलेज द्वारा प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रम विरासत -ए - पंजाब में विद्यार्थी धनबाद का प्रतिनिधित्व करेंगे। आरएस चहल ने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी दोनों राज्यों की कला संस्कृति प्रस्तुत करेंगे।



गुरु नानक कॉलेज की टीम धनबाद रेलवे स्टेशन पर।

21 सितंबर को धनबाद लौटेंगी कॉलेज की टीम

30 छात्र-छात्राओं की टीम में दो शिक्षक, टीम मैनेजर डॉ मीना मालखंडी और सहायक टीम मैनेजर प्रो दलजीत सिंह शामिल हैं। बताया कि कॉलेज की टीम मंगलवार शाम 4 बजे दुर्गियाना एक्सप्रेस से अमृतसर के लिए रवाना हुई। 14 सितंबर से पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला, 18 सितंबर से पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ और 19 सितंबर से गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में प्रस्तुति देकर 21 सितंबर को वापस धनबाद लौटेंगी।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ऐसी गतिविधियों का आयोजन है जरूरी

शासी निकाय के सचिव सरदार दिलजोत सिंह ग्रेवाल ने कहा कि यह छात्रों को दूसरों के साथ सकारात्मक संबंध विकसित करने, व्यापक दृष्टिकोण को समझने और आजकल हमारे बहुसांस्कृतिक समाज में भागीदारी के लिए जरूरी ज्ञान एवं कौशल विकसित करने में मदद करेंगे। प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने बताया कि सांस्कृतिक विविधता भारत की अमूल्य पहचान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के अनुकूल निर्धारित किया गया है। यूजीसी, नैक और राज्य सरकार से समय-समय पर मिले निदेशों के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों की सांस्कृतिक विविधताओं एवं इनके विरासत आधारित कार्यक्रम आयोजित करना है, ताकि छात्रों में समग्र शिक्षा और वैश्विक संवेदनशीलता विकसित किया जा सके। भविष्य में कोलकाता, वाराणसी, पुणे, महाराष्ट्र में भी सांस्कृतिक विविधता आधारित कार्यक्रम के लिए भी टीम जाएगी।

धनबाद, बुधवार
13.09.2023

02

prabhatkhabar.com

सिटी बाइट्स

जीएन कॉलेज की टीम पंजाब रवाना



धनबाद। पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किये जा रहे कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम में गुरुनानक कॉलेज धनबाद की टीम भाग लेगी। इसके लिए मंगलवार को कॉलेज की 30 सदस्यीय टीम अमृतसर रवाना हो गयी। टीम के साथ टीम मैनेजर के रूप में डॉ मीणा मालखंडी और सहायक टीम मैनेजर प्रो दलजीत सिंह रवाना हुए। प्राचार्य डॉक्टर संजय प्रसाद ने कहा कि कार्यक्रम की तैयारी कई माह से चल रही थी।

पियाली पाल, पारुल पात और रिपा

हिन्दुस्तान 13/9/23

गुरुनानक कॉलेज टीम पंजाब में प्रस्तुत करेगी कार्यक्रम

धनबाद। कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत गुरुनानक कॉलेज के छात्र-छात्राएं चंडीगढ़ में सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मंगलवार को 30 छात्र-छात्राओं की टीम चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई। सांस्कृतिक कार्यक्रम विरासत ए पंजाब में हिस्सा लेंगे। छात्र झारखंड एवं पंजाब की संस्कृतियों की संयुक्त झलक दिखाएंगे।

विशेषकर झारखंड एवं पंजाब की कला संस्कृति, रहन-सहन, पर्व -त्योहार, वेश भूषा को लोकगीत एवं नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। टीम 14 सितंबर को पंजाब विवि पटियाला, 18 सितंबर को पंजाब विवि चंडीगढ़ और 19 सितंबर को गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। शासी निकाय के अध्यक्ष आरएस चहल, सचिव दिलजॉन सिंह ग्रेवाल, प्राचार्य डॉ संजय प्रसाद ने कहा कि उम्मीद है कि छात्र बेहतर करेंगे। काफी कुछ सीखने का मौका मिलेगा।